

डॉ. टिबेरियस राटा, पुराने नियम का धर्मशास्त्र, सत्र 4, उद्धारक के रूप में ईश्वर

© 2024 टिबेरियस राटा और टेड हिल्लेब्रांट

यह डॉ. टिबेरियस राटा द्वारा पुराने नियम के धर्मशास्त्र पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 4 है, उद्धारक के रूप में ईश्वर।

खैर, नमस्ते, सभी को। आज, हम उद्धारक के रूप में ईश्वर के बारे में बात करने जा रहे हैं। और, बेशक, पुराने नियम से मुक्ति का सबसे बड़ा कार्य पलायन की घटना है। तो, हम इसे कुछ विस्तार से देखेंगे।

जब हम पुराने नियम को देखते हैं, तो दो हिब्रू शब्द हैं जिनका उपयोग छुटकारे के लिए किया जाता है। एक है गाल, जिसका अर्थ है छुड़ाना या रिश्तेदार के रूप में कार्य करना। उदाहरण के लिए, यह रूथ की पुस्तक में रिश्तेदार, उद्धारक और गोएल के साथ बहुत बार आता है।

और फिर पाडा, जिसका मतलब है खरीदना या फिरौती देना। जब हम नए नियम में आते हैं, तो दो यूनानी शब्द लुट्रोमाई और एगोराज़ो हैं। लुट्रोमाई का मतलब ज्यादातर आज़ाद करना या छुड़ाना होता है।

एगोराज़ो वास्तव में बाज़ार में, अगोरा में खरीदने का विकल्प चुनता है। हम देखेंगे कि समय के साथ ये शब्द कैसे बदल रहे हैं क्योंकि उनका अर्थ कानून में कुछ है, और फिर वे बाद में किसी और चीज़ में विकसित या बदल जाते हैं। लेकिन फिर से, जैसा कि मैंने कहा, निर्गमन की घटना वह घटना है जिसके बारे में पूरा पुराना नियम बात करता है जब वे उद्धारक के रूप में परमेश्वर के बारे में पूछते हैं।

ईश्वर कौन है? और ईश्वर यहाँ योद्धा ईश्वर के रूप में प्रकट होता है। कभी-कभी, जब हम निर्गमन की पुस्तक को देखते हैं, तो इसे संघर्ष के संदर्भ में देखना अच्छा होता है। और कुछ लोग सुझाव देते हैं कि इसमें तीन मुख्य संघर्ष हैं।

यह याहवे बनाम फिरौन, याहवे बनाम मिस्र के देवता और कभी-कभी याहवे बनाम इज़राइल है। इसलिए, निर्गमन को देखने के लिए, कभी-कभी संघर्ष के संदर्भ में इसके बारे में सोचना अच्छा होता है। लेकिन प्रमुख संघर्ष अध्याय सात और नौ में दिखाई देते हैं जब आपके पास याहवे बनाम मिस्र के देवता होते हैं।

और फिर, जब हम निर्गमन को देखते हैं, तो निर्गमन 12 में एक महत्वपूर्ण श्लोक है जो विपत्तियों के उद्देश्य को समझाता है। मैं उस रात मिस्र देश से होकर गुज़रूँगा, और मैं देश के सभी पहलौठों को मारूँगा, चाहे वे मनुष्य हों या पशु। और मिस्र के सभी देवताओं पर, मैं न्यायदंड लागू करूँगा।

तो, यह यहोवा बनाम मिस्र के देवता हैं। और परमेश्वर यह दिखाना चाहता है कि वह वास्तव में एकमात्र सच्चा परमेश्वर है। पहली नौ विपत्तियाँ महत्वपूर्ण हैं, लेकिन 10वीं विपत्ति सबसे महत्वपूर्ण है क्योंकि यहीं पर हम फसह की स्थापना करते हैं, जो स्पष्ट रूप से मसीह की ओर इशारा करती है, जो हमारा फसह मेमना है।

मैं उस पर वापस आ रहा हूँ, लेकिन इससे पहले कि हम विपत्तियों और यहोवा बनाम मिस्र के देवताओं पर जाएँ, हमें यह समझने की ज़रूरत है कि पुराने नियम के समय में छुटकारे का क्या मतलब था क्योंकि यह नए नियम में होने वाले अर्थ से अलग है जब छुटकारे को मसीह के कार्य से जोड़ा जाता है। पुराने नियम में, जब लोग छुटकारे के बारे में बात करते थे, तो सबसे पहले हम भूमि या संपत्ति के छुटकारे के बारे में सुनते थे। इसलिए, इस्राएलियों को उत्पादन के अधिकार के साथ भगवान की भूमि पर किरायेदार के रूप में देखा जाता था।

यह उनकी ज़मीन नहीं थी। यह भगवान की ज़मीन थी। लेकिन भगवान उन्हें ज़मीन पर काम करने की इजाज़त दे रहे हैं।

और फिर परमेश्वर के मन में गरीब और जरूरतमंद लोग भी थे। और यही बात आपको लैव्यव्यवस्था के अध्याय 25 में मिलती है। अगर आपका कोई भाई गरीब हो जाए और खुद की देखभाल न कर सके तो क्या होगा? अगर आपका भाई गरीब हो जाए और अपनी संपत्ति का कुछ हिस्सा बेच दे, तो उसका सबसे नजदीकी छुड़ानेवाला, यहाँ भी गोएल का विचार, आएगा और उसके भाई ने जो बेचा है उसे छुड़ाएगा।

अगर किसी व्यक्ति के पास छुड़ाने के लिए कोई नहीं है, तो वह समृद्ध हो जाता है और खुद को छुड़ाने के लिए पर्याप्त पाता है। उसे बेचे गए वर्षों की गणना करनी चाहिए और शेष राशि वापस करनी चाहिए, और इसी तरह, और इसी तरह। इसलिए, अगर मैं खुद की देखभाल करने में असमर्थ हो गया, तो मैं अपने भाई के पास जा सकता हूँ और कह सकता हूँ, मैं खुद को आपको बेचने जा रहा हूँ, और आप मुझे और मेरी संपत्ति को छुड़ाने जा रहे हैं।

लेकिन बाइबल यह भी सिखाती है कि जुबली वर्ष के दौरान, मेरी ज़मीन मूल मालिक को मिल जाएगी। अगर मैं अब जीवित नहीं रहा, तो यह मेरे बेटे को मिल जाएगी। इसलिए, जुबली वर्ष बहुत, बहुत महत्वपूर्ण था।

यह महत्वपूर्ण है क्योंकि बहुत से लोग बाइबल का उपयोग यह कहने के लिए कर रहे हैं कि देखो, बाइबल में दास प्रथा ठीक थी। यह बाइबल के पाठ की गलतफहमी है। बहुत से लोग अमेरिकी इतिहास में जो हुआ उसे पढ़ रहे हैं, और वे बाइबल के पाठ को फिर से पढ़ रहे हैं।

और ऐसा नहीं हुआ। बाइबिल के पाठ में, भगवान के मन में गरीब लोग थे, और भगवान उनकी देखभाल करना चाहते थे। इसका अमेरिकी व्यवस्था से कोई लेना-देना नहीं था।

दीवार वाले शहर में बने घर को ज़मीन नहीं माना जाता था, जो कि बहुत दिलचस्प बात है। लेकिन शहर के बाहर बने घर को ज़मीन माना जाता था। फिर से, हम एक कृषि प्रधान समाज की बात कर रहे हैं।

इसलिए, जब हम निर्गमन की पुस्तक में छुटकारे के बारे में बात करते हैं, तो सबसे पहले, हमें इस बारे में बात करने की ज़रूरत है कि उनके लिए छुटकारे का क्या मतलब था। और फिर, आपको ज़मीन से संबंधित होना था, आपको संपत्ति से संबंधित होना था, और आपको गरीबों और ज़रूरतमंदों की देखभाल करने से संबंधित होना था। तो, निर्गमन की पुस्तक में वापस जाते हुए, विषय है, मैं यहोवा हूँ।

परमेश्वर कहते हैं कि मैं यहोवा हूँ। कृपया ध्यान दें कि यह कितनी बार आता है। मैं प्रभु हूँ, मैं प्रभु हूँ, मैं प्रभु पर हूँ, और तुम जानोगे, और तुम जान सकते हो कि मैं प्रभु हूँ, और वे जान लेंगे कि मैं प्रभु पर हूँ।

तो, निर्गमन की पुस्तक में जो कुछ भी हो रहा है वह यहोवा अपने लोगों को दिखा रहा है कि वह सच्चा परमेश्वर है। इसके बारे में सोचो। इस्राएल के लोग सैकड़ों वर्षों तक गुलामी में रहे हैं, और कभी-कभी वे मिस्रियों की जीवनशैली अपनाने के लिए लुभाए जाते हैं, और परमेश्वर कहता है, नहीं, मैं यहोवा हूँ।

मैं सच्चा ईश्वर हूँ। मैं हूँ। यह निर्गमन की पुस्तक में है कि ईश्वर ने अपना परिचय दिया है, क्योंकि मैं वही हूँ जो मैं हूँ, अध्याय तीन में। इसलिए, ये विपत्तियाँ मिस्र के देवी-देवताओं के चेहरे पर एक सीधा तमाचा हैं।

मैंने यह भी सूची बनाई कि आप प्रत्येक देवता को यहोवा के विरुद्ध कैसे जोड़ सकते हैं और कैसे परमेश्वर इन देवताओं को हरा रहा है। याद रखें, विपत्तियाँ मिस्र के सभी देवताओं के विरुद्ध एक विवाद हैं। मिस्र के देवता पत्थर से बने हैं, वे लकड़ी से बने हैं, उनके पास देखने के लिए आँखें नहीं हैं, उनके पास देखने के लिए कान नहीं हैं, और फिर भी लोग उनकी पूजा कर रहे हैं।

और पहली महामारी, नील नदी को फिर से खून में बदल देना, अमुन के चेहरे पर एक तमाचा था। देखिए, अमुन वह देवता था जिसका काम नील नदी की रक्षा करना था। अब फिर से, दिलचस्प बात यह है कि इन सभी देवी-देवताओं के पास काम है।

वे बिल्कुल इंसानों जैसे हैं। किसी ने कहा, हम भगवान की छवि बना रहे हैं, और फिर हमने भी उसका बदला चुकाने का फैसला किया। खैर, यहाँ बिल्कुल वैसा ही हुआ।

मनुष्य इन देवताओं को अपनी छवि में बना रहे हैं, और उनके पास काम है। और फिर, अमुन का काम नील नदी की रक्षा करना था। अमुन के संरक्षण में, नील नदी का प्रवाह अप्रभावित रहा।

समस्या यह है कि इस मामले में, सवाल यह है कि जब यहोवा ने नील नदी को खून में बदल दिया तो अमुन कहाँ था? और जवाब है, वह कहीं नहीं था क्योंकि वह अस्तित्व में ही नहीं है। यहोवा कहते हैं कि मैं सच्चा ईश्वर हूँ। अब, उदार विद्वान जो निर्गमन घटना की ऐतिहासिकता को अस्वीकार करते हैं, कहते हैं कि यहाँ कोई चमत्कार नहीं है, देखने लायक कुछ भी नहीं है।

नील नदी के रक्त में बदल जाने की व्याख्या इस प्रकार की गई है। ऊपरी नील नदी में असामान्य रूप से भारी वर्षा के कारण बाढ़ आ गई, जिसके कारण लाल मिट्टी घुल गई। लाल मिट्टी के साथ-साथ कुछ सूक्ष्मजीवों का लाल रंग भी जुड़ जाता है जिन्हें फ्लैगेलेट के नाम से जाना जाता है, जो हमेशा नील नदी में मौजूद रहते हैं।

लेकिन बाढ़ और उसके साथ आए पोषक तत्वों ने बहुतायत में वृद्धि की, जिससे नील नदी का रंग लाल हो गया, पीने लायक नहीं रहा और मछलियों को जहर दे दिया। इसलिए, यह चमत्कार की एक दिलचस्प, प्राकृतिक व्याख्या है। अब, फिर से, यह यहोवा 1 है, मिस्र के देवता 0। दूसरी विपत्ति मिस्र के सभी देवताओं, विशेष रूप से हेकेट के चेहरे पर एक तमाचा है।

हारून ने मिस्र के पानी पर अपनी रेत खोजी, और मेंढक मिस्र की भूमि पर छा गए। इसलिए, हेकेट प्रसव और प्रजनन की देवी थी, जिसे यहाँ एक महिला के शरीर और एक मेंढक के सिर के साथ चित्रित किया गया है। एक विद्वान लिखते हैं कि चूंकि हेकेट मेंढक में सन्निहित थी, इसलिए मेंढक मिस्र में पवित्र था।

इसे मारा नहीं जा सकता था, और परिणामस्वरूप, देवी के इस भयानक और वीर प्रसार के बारे में मिस्रवासी कुछ नहीं कर सकते थे। उन्हें अपनी भ्रष्ट पूजा के प्रतीकों से घृणा करने के लिए मजबूर होना पड़ा, लेकिन वे उन्हें मार नहीं सकते थे। और जब मेंढक मर गए, तो उनके सड़ते हुए शरीर ने शहरों और ग्रामीण इलाकों को बदबूदार खौफ में बदल दिया होगा।

दिलचस्प बात यह है कि मिस्र के जादूगर भी यही काम करने में सक्षम थे। अब, उदारवादी विद्वान कहते हैं, यहाँ कोई चमत्कार नहीं है; इसे प्राकृतिक रूप से समझाया जा सकता है। यहाँ वे क्या कहते हैं।

फिर से, यहाँ कोई चमत्कार नहीं है; यह एक बहुत ही रोचक व्याख्या है। लेकिन यह यहोवा 2 है, मिस्र के देवता 0। तीसरी विपत्ति, मच्छर या मक्खियाँ, कुछ अनुवाद कहते हैं। फिर से, यह निर्गमन 12:12 जैसा है; यह मिस्र के देवताओं, विशेष रूप से सेब के चेहरे पर एक तमाचा है।

सेब धरती का देवता था। जिस जगह से मच्छर आते थे, वह धरती की सतह का देवता था। इसलिए मच्छरों का कहर धरती के देवता के लिए शर्मिंदगी की बात थी।

वैसे, यह चमत्कार मिस्र के जादूगरों द्वारा दोहराया नहीं गया था। और मुझे फिलिप रेकेंस की बात पसंद है। वह कहते हैं कि चूंकि फिरौन के जादूगर शैतान के सेवक थे, इसलिए मच्छरों की विपत्तियाँ स्पष्ट रूप से दिखाती हैं कि शैतान की शक्ति की अपनी सीमाएँ हैं।

माना कि शैतान के पास कुछ शक्तियाँ हैं। बाइबल कहती है कि उसका काम हर तरह के नकली चमत्कारों, चमत्कारों के चिह्नों में प्रदर्शित होता है। शैतान के पास दूसरी शक्तियाँ भी हैं।

उसके पास विद्रोह करने की शक्ति है, यशायाह 14, प्रलोभन देने की; मत्ती 4, धोखा देने की; प्रकाशितवाक्य 20, आरोप लगाने की; जकर्याह 3. शैतान बहुत शक्तिशाली है, लेकिन उसकी

शक्तियाँ सीमित हैं। उन सभी चीज़ों पर विचार करें जो वह करने में असमर्थ है। वह सृजन नहीं कर सकता।

वह केवल विनाश कर सकता है। वह मुक्ति नहीं दे सकता। वह केवल शापित हो सकता है।

वह प्रेम नहीं कर सकता। वह केवल घृणा कर सकता है। वह विनम्र नहीं हो सकता।

वह केवल गर्व ही कर सकता है। सबसे अधिक दुख की बात यह है कि वह परमेश्वर के पुत्र को कब्र में नहीं रख सका। परमेश्वर ने यीशु को मृतकों में से जीवित करके शैतान की शक्ति को तोड़ दिया।

बाइबल कहती है कि परमेश्वर के पुत्र का प्रकट होना शैतान के काम को नष्ट करने के लिए था। क्या आपको लगता है कि उदार विद्वान इसे ऐतिहासिक तथ्य के रूप में स्वीकार करेंगे? जवाब है नहीं। उदार विद्वान जो विपत्तियों की चमत्कारी प्रकृति को अस्वीकार करते हैं, सुझाव देते हैं कि नील नदी के किनारे जमा हुए स्थिर पानी में प्रजनन की सही परिस्थितियाँ, जैसे-जैसे पानी कम होता गया, मच्छरों के विशाल झुंड मनुष्यों और जानवरों को काटने लगे।

मक्खियों की महामारी के बारे में क्या? यदि तुम मेरे लोगों को जाने नहीं दोगे, तो मैं तुम्हारे और तुम्हारे सेवकों और तुम्हारे लोगों के घरों में मक्खियों के झुंड भेजूँगा। और मिस्रियों के घर मक्खियों के झुंड से भर जाएँगे और जिस ज़मीन पर वे खड़े होंगे, वह भी मक्खियों के झुंड से भर जाएगी। फिर से, मिस्रियों ने चमत्कार की नकल नहीं की।

और ऐसा लगता है कि पहली बार फिरौन का दिल नरम पड़ रहा है। लेकिन फिर से, अध्याय 8 में यह फिर से कठोर हो जाता है। यह केफ़ी के चेहरे पर एक तमाचा था, जिसे मक्खियों का देवता माना जाता था। मुझे नहीं पता कि आप ट्रैक रखते हैं या नहीं, लेकिन यह यहोवा 4 है, मिस्र के देवता 0। मिस्र के पशुधन की मौत के बारे में क्या? यह यहोवा बनाम मिस्र के सभी देवता हैं, लेकिन विशेष रूप से नेवेस।

अगले दिन, प्रभु ने यह काम किया; मिस्रियों के सभी पशु मर गए, लेकिन इस्राएलियों के पशुओं में से एक भी नहीं मरा। यह बैल देवता नेवेस के चेहरे पर एक तमाचा था। आप उसे यहाँ एक आदमी के शरीर और एक बैल के सिर के साथ देख सकते हैं।

पवित्र बैल सूर्य देवता रा का सांसारिक प्रतिनिधित्व था, जिसके बारे में हम बाद में बात करेंगे। वैसे, मिस्रवासियों के पास बहुत सारे देवी-देवता थे, जैसे बैल या गाय। एपिस उनमें से एक था, और यह देवता पटा का पवित्र पशु था।

हथोर को गाय के शरीर में दर्शाया गया था। कल्पना कीजिए कि अगर सभी पशुधन मर गए तो मिस्र की अर्थव्यवस्था की आर्थिक तबाही क्या होगी। जैसा कि ग्रेस में मेरे पूर्ववर्ती डॉ. जॉन डेविस लिखते हैं, कृषि में भारी श्रम के लिए बैलों पर निर्भर थे।

ऊंट, गधे और घोड़ों का इस्तेमाल मुख्य रूप से परिवहन के लिए किया जाता था। मवेशी न केवल दूध देते थे बल्कि मिस्र की भूमि में पूजा का एक अभिन्न अंग भी थे। इस अवसर पर होने वाले आर्थिक नुकसान ने फिरौन को बहुत प्रभावित किया होगा क्योंकि उसने बड़ी संख्या में मवेशियों को अपने नियंत्रण में रखा था।

इसलिए, हमें थोड़ा रुककर खुद से पूछना चाहिए कि फिरौन का दिल किसने कठोर किया? क्या फिरौन ने अपना दिल कठोर किया, या फिर परमेश्वर ने फिरौन का दिल कठोर किया? क्योंकि यह पुराने नियम के धर्मशास्त्र का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है। खैर, अगर हम बाइबल में पढ़ें, तो यह वास्तव में दोनों ही बातें कहती है। फिरौन ने इन सभी अध्यायों पर ध्यान देते हुए अपना दिल कठोर किया, लेकिन फिर यह कहता है कि परमेश्वर ने फिरौन का दिल कठोर किया।

लेकिन फिर से, अगर आप शुरू से पढ़ें, तो ऐसा नहीं है कि फिरौन एक अच्छा, मासूम, ईश्वरीय व्यक्ति था, और ईश्वर उसके दिल को छू रहा था और उसका दिल कठोर कर रहा था। नहीं, यह एक दुष्ट व्यक्ति है जो हमेशा ईश्वर और उसकी योजना के खिलाफ रहता है, जो ईश्वर में विश्वास नहीं करता। वह वास्तव में बहुत अज्ञानी है और मूसा से पूछता है, यह ईश्वर कौन है? और वह बहुत, न केवल अज्ञानी है, बल्कि वह अभिमानी भी है।

मैं इस परमेश्वर को नहीं जानता, और मैं इस परमेश्वर के बारे में जानना भी नहीं चाहता। इसलिए, हमें यह समझना होगा कि सबसे पहले फिरौन ने अपना हृदय कठोर किया, और फिर हमें बताया गया कि यहोवा ने फिरौन के हृदय को कठोर किया। लेकिन बाइबल दोनों के बारे में बात करती है, और यह बहुत, बहुत महत्वपूर्ण है।

लेकिन शाश्वत सिद्धांत यह है: यहोवा सच्चा प्रभु परमेश्वर है जो अपने लोगों को उत्पीड़न से मुक्त करेगा ताकि वे उसकी सेवा और आराधना कर सकें। और, बेशक, हम सभी विपत्तियों से गुजर सकते हैं, और हमारे पास यहोवा बनाम मिस्र के देवता हैं। फिर से, यह 10 से 0 हो जाता है क्योंकि देवता बिल्कुल भी देवता नहीं हैं।

यहोवा ही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है। और नया नियम हमें इब्रानियों 3:12 में चेतावनी देता है, जो कहता है, सावधान रहो, कहीं ऐसा न हो कि तुममें से किसी का मन बुरा और अविश्वासी हो जाए जो तुम्हें जीवित परमेश्वर से दूर कर दे। फिरौन के साथ भी ऐसा ही हुआ था।

उसका हृदय दुष्ट और अविश्वासी था। लेकिन वापस कहानी पर आते हैं, लेविटिकस में छुटकारे के विचार के बारे में बताया गया है। फिर से, हमारे पास भूमि का छुटकारे का मामला था, लेकिन लोगों का भी छुटकारे का मामला है।

मैं पहले ही लैव्यव्यवस्था 25 से गिरमिटिया नौकरों के बारे में पढ़ चुका हूँ। यदि तुम्हारा भाई गरीब हो जाए और तुम्हारे साथ अपना भरण-पोषण न कर सके, तो तुम उसे परदेशी और प्रवासी की तरह पालना और तुम्हारे साथ रहना। उससे ब्याज या लाभ न लो, बल्कि अपने परमेश्वर का भय मानो ताकि तुम्हारा भाई तुम्हारे साथ रह सके।

तो फिर, यहाँ, परमेश्वर के पास कुछ लोगों के अमीर बनने की कोई योजना नहीं थी। नहीं, यह परमेश्वर के लिए था कि वह अपने भाइयों का उपयोग करके गरीब लोगों की देखभाल करे। छुटकारे का एक और विचार पहलौठों में दिखाई देता है।

ज्येष्ठ पुत्रों को प्रभु के लिए पवित्र माना जाता था। और बाइबल कहती है क्योंकि वह गर्भ खोलता है। तो क्या होता है कि जब आपका कोई बेटा होता है, तो आप उसे प्रभु को समर्पित करते हैं।

और उसे वास्तव में तम्बू या मंदिर में सेवा करनी थी। लेकिन आप वास्तव में उसे पाँच शेकेल में छुड़ा सकते थे। आप उसे छुड़ाएँगे, और फिर वह आपका हो जाएगा।

अब, हन्ना की कहानी याद कीजिए। हन्ना शमूएल के लिए प्रार्थना करती है और कहती है, हे प्रभु, यदि तू मुझे एक पुत्र दे, तो वह तेरा ही होगा। इसलिए, जब छुटकारे का समय आता है, तो हन्ना शमूएल को छुड़ाती नहीं है, बल्कि शमूएल को यहोवा के काम में छोड़ देती है।

फिर, आप किसी धोखेबाज़ रिश्तेदार की पत्नी को छुड़ा सकते हैं। कहानी में यही है, और रूथ की एक कहानी है जहाँ रूथ विधवा है, और सिर्फ़ वह ही विधवा नहीं है, बल्कि उसके बेटे भी मर जाते हैं। तो, फिर उसके पास अपनी दो बहुएँ रह जाती हैं।

और फिर, लैव्यव्यवस्था की पुस्तक में भी यही बात है। अगर पति मर जाता है, तो अगर पति का कोई भाई है, तो उसे पत्नी को छुड़ाना चाहिए। और रूत में भी यही हुआ।

ऐसा लगता है कि एक गोएल है, एक रिश्तेदार छुड़ानेवाला, जिसे रूत को छुड़ाने का अधिकार है। और बोअज़ उसके पास जाता है और कहता है, देख, रूत यहाँ है, और यहाँ तू छुड़ाना चाहता है। इसलिए जिस दिन तू नाओमी के हाथ से खेत खरीदेगा, उसी दिन तुझे मोआबी रूत को भी माँगना होगा।

इस बिंदु पर, रिश्तेदार छुड़ानेवाला कहता है, ओह, एक मिनट रुको। मेरी पहले से ही एक पत्नी है। और फिर, हम नहीं जानते कि यह चर्चा खाने की मेज पर कैसे पहुंची।

लेकिन हम, कॉमेडियन, शायद सही हैं जब वह कहता है कि हम दो पत्नियाँ नहीं रख सकते क्योंकि यीशु कहते हैं कि कोई भी दो स्वामियों की सेवा नहीं करेगा। लेकिन वैसे भी, यह केवल एक मज़ाक है। लेकिन जाहिर है, यह रिश्तेदार उद्धारक जानता था क्योंकि उसने कहा, नहीं, मैं अब और उद्धार नहीं करना चाहता।

मैं भूमि को छुड़ाने के लिए खुश हूँ, लेकिन अगर इसमें कोई महिला शामिल है, तो मैं ऐसा करने के लिए तैयार नहीं हूँ। तो, फिर बोअज़, वह दूसरा सबसे करीबी रिश्तेदार छुड़ाने वाला है। तो, वह रूथ को छुड़ाता है, और हम जानते हैं कि इससे, वे दाऊद के पूर्वज बन जाते हैं और फिर जाहिर तौर पर यीशु के।

और फिर एक और गोएल है जो दिखाई देता है, जो कि गिनती की पुस्तक के अध्याय 35 में थोड़ा कम जाना जाता है। और फिर आपके पास व्यवस्थाविवरण 19 है। इसका संबंध शरण नगरों से है।

और अगर कोई अनजाने में किसी को मार देता है, तो आपके पास वह रिश्तेदार छुड़ाने वाला है। अब, कृपया ध्यान दें कि कैसे मुक्ति की अवधारणा को बाद में शास्त्र में बदल दिया गया है। जब हम ज्ञान साहित्य, अय्यूब और भजनों को देखते हैं, उदाहरण के लिए, हम पाते हैं कि मुक्ति भूमि और लोगों से दुश्मनों से वास्तविक मुक्ति में स्थानांतरित हो गई है।

भजनकार अय्यूब इसी के लिए प्रार्थना करता है। दुष्टों से छुटकारा। मृत्यु से छुटकारा।

पाप के लिए दंड से मुक्ति। तो, ऐसा लगता है कि भाषा में एक ऐसा विकास हुआ है जो कानून में बताए गए विकास से बहुत अलग है। इसलिए आपको बहुत सावधान रहना होगा जब लोग कहते हैं, अच्छा, यह शब्द इस तरह दिखता है।

खैर, इसका मतलब यह नहीं है कि इसका मतलब एक ही बात है। फिर से, कभी-कभी हमारे पास सैकड़ों साल बीत जाते हैं। हमारे पास अलग-अलग संदर्भ हैं।

और सिर्फ इस तथ्य का कि इसे लैव्यव्यवस्था में एक तरह से इस्तेमाल किया गया है, इसका मतलब यह नहीं है कि इसे भजन में भी उसी तरह इस्तेमाल किया गया है। और मैं जानता हूँ कि हम सभी भजन 103 को अच्छी तरह जानते हैं। तो, अब देखिए, मुक्ति कुछ और हो जाती है।

मृत्यु से मुक्ति। और बेशक, निर्गमन की पुस्तक में, मिस्र में गुलामी से मुक्ति के विचार पर वापस जाते हुए, परमेश्वर मिस्र के देवताओं के विरुद्ध दण्ड देने से पहले बहुत स्पष्ट रूप से कहता है, वह इस्राएलियों से कहता है कि वह उनकी ओर से कार्य करेगा। निर्गमन छह, छह से आठ और इसलिए, इस्राएल के लोगों से कहो, मैं यहोवा हूँ।

मैं यहोवा हूँ, और मैं तुम्हें मिस्रियों के बोझों के नीचे से निकालूँगा, और मैं तुम्हें उनकी गुलामी से छुड़ाऊँगा, और मैं तुम्हें एक तूफान और न्याय के महान कार्यों के साथ छुड़ाऊँगा। और मैं तुम्हें अपने लोगों के रूप में अपनाऊँगा, और मैं तुम्हारा परमेश्वर बनूँगा। और तुम जानोगे कि मैं यहोवा, तुम्हारा परमेश्वर हूँ, जो तुम्हें मिस्रियों के बोझों के नीचे से निकाल लाया है।

मैं तुम्हें उस देश में ले जाऊँगा जिसके देने की शपथ मैंने अब्राहम, इसहाक और याकूब से खाई थी। मैं उसे तुम्हारे अधिकार में कर दूँगा। मैं यहोवा हूँ।

मैं प्रभु हूँ। अब, इसे गोएल कहना चाहिए; युगांतिक यहोवा के रूप में उद्धार इस्राएल का गोएल है। यशायाह में, हमारे पास यह विचार है कि परमेश्वर उद्धारक है।

यह यीशु के दूसरे आगमन के बारे में बात कर रहा है। तो कभी-कभी यह उसके पहले आगमन के बारे में बात कर रहा है, लेकिन कभी-कभी यह उसके दूसरे आगमन के बारे में बात कर रहा है।

है। अब, जब हम नए नियम में आते हैं, तो फिर से, नए नियम में, हमारे पास छुटकारे का यह विचार है जो फिर से, लैव्यव्यवस्था में हमारे पास मौजूद विचार से अलग है।

यह भजन संहिता और अय्यूब की पुस्तक में जो कुछ है, उससे अधिक मेल खाता है, लेकिन यह थोड़ा अलग है। फिर से, नए नियम में, छुटकारे का अर्थ हमेशा यीशु की मृत्यु और पुनरुत्थान और हमारे लिए उसने जो कुछ पूरा किया है, उससे है। इसलिए, यीशु हमारे छुटकारे को पूरा करने के लिए आए।

उसके जीवन का दिया जाना छुड़ौती की कीमत थी, और छुड़ौती का स्वरूप प्रतिस्थापन था। और हमारे पास ये सभी आयतें हैं जो इस बारे में बात करती हैं। उदाहरण के लिए, मार्क के सुसमाचार में मुख्य आयत कहती है, क्योंकि मनुष्य का पुत्र भी सेवा करवाने नहीं आया, बल्कि सेवा करने और बहुतों के लिए छुड़ौती के रूप में अपना जीवन देने आया।

तो, ध्यान दें, परमेश्वर, सृष्टिकर्ता, वाचा बनाने वाला परमेश्वर है, उद्धारक परमेश्वर है। और वह यीशु मसीह के व्यक्तित्व के माध्यम से ऐसा करता है। लूका 1:68, इस्राएल के परमेश्वर यहोवा की जय हो, क्योंकि उसने हमसे भेंट की है और अपने लोगों के लिए उद्धार पूरा किया है।

गलातियों 3:13, मसीह ने हमें व्यवस्था के अभिशाप से छुड़ाया। गलातियों 4 क्रिसमस पर एक बहुत ही महत्वपूर्ण अंश है क्योंकि यह हमें सिखाता है कि मसीह का जन्म कब हुआ, मसीह का जन्म कैसे हुआ, और मसीह का जन्म कब हुआ। मसीह का जन्म कब हुआ? समय की परिपूर्णता में।

परमेश्वर ने अपने पुत्र को भेजा। यीशु का जन्म कैसे हुआ? एक स्त्री से जन्मा, व्यवस्था के अधीन जन्मा। यीशु का जन्म क्यों हुआ? व्यवस्था के अधीन रहने वालों को छुड़ाने के लिए, हमें पुत्रों के रूप में गोद लिया जा सकता है।

पौलुस ने कुरिन्थियों को लिखा कि यीशु न केवल हमारी बुद्धि बन गया, बल्कि हमारी धार्मिकता और मुक्ति भी बन गया। रोमियों 3, क्योंकि सभी ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं, मसीह यीशु में छुटकारे के द्वारा उसके अनुग्रह से उपहार के रूप में धर्मी ठहराए गए हैं। पौलुस इफिसियों को लिखता है, उसके द्वारा हमें उसके लहू के द्वारा छुटकारा मिला है, अर्थात् हमारे अपराधों की क्षमा।

पतरस लिखता है कि तुम्हारा उद्धार चाँदी या सोने जैसी नाशवान वस्तुओं से नहीं हुआ है, जो तुम्हारे पूर्वजों से विरासत में मिली है, बल्कि एक मेमने के अनमोल लहू से हुआ है जो निष्कलंक और निष्कलंक है, अर्थात् मसीह का लहू। टाइटस ने क्रेते द्वीप पर कलीसिया को परमेश्वर के अनुग्रह के बारे में लिखा। और फिर वह कहता है, परमेश्वर ने अपने लिए, यीशु ने अपने आप को दे दिया कि वह हमें हर अधर्म के काम से छुड़ाए और अपने लिए एक ऐसी प्रजा को शुद्ध करे जो उसके लिए निज सम्पत्ति हो, जो भले कामों के लिए उत्साही हो।

फिर से, इब्रानियों की ओर लौटते हुए, इब्रानियों के लेखक ने यीशु से संबंध स्थापित किया है, जो न केवल उद्धारक है, बल्कि वह छुटकारे की कीमत है। वह लिखता है कि जब मसीह आने वाली

अच्छी चीजों के लिए एक महायाजक के रूप में प्रकट हुआ, तो वह अधिक बड़े और अधिक परिपूर्ण तम्बू के माध्यम से आया, जो हाथों से नहीं बनाया गया था, जो इस सृष्टि का नहीं है। बकरियों और बछड़ों के खून से नहीं, बल्कि अपने स्वयं के खून के माध्यम से, उसने एक बार और हमेशा के लिए पवित्र स्थान में प्रवेश किया, और अनन्त छुटकारे को प्राप्त किया।

क्योंकि यदि बकरों और बैलों का लहू और बछिया की राख, अशुद्ध लोगों पर छिड़कने से शरीर की शुद्धि के लिए पवित्र हो जाती है, तो मसीह का लहू, जिसने सनातन आत्मा के द्वारा अपने आप को परमेश्वर के सामने निर्दोष रूप से अर्पित किया, तुम्हारे विवेक को मरे हुए कामों से कितना अधिक शुद्ध करेगा ताकि तुम जीवित परमेश्वर की सेवा करो। इसलिए परमेश्वर, सृष्टिकर्ता, परमेश्वर है, वाचा बनाने वाला है, और वाचा का पालन करने वाला है, और वह उद्धारक भी है।

यह डॉ. टिबेरियस राटा पुराने नियम के धर्मशास्त्र पर अपनी शिक्षा के बारे में बता रहे हैं। यह सत्र 4 है, उद्धारक के रूप में परमेश्वर।